उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment)

2016-2017

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत | **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**
Subject : Sanskrit | **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : वैदिक वाङमय, | **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-01**
Course Title :Vaidik Vangmay | **Course Code: MAST-01**

अधिकतम अंक	: 30
Maximum Marks:	30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ

अधिकतम अंक	: 18
Maximum Marks:	18

प्रश्न–1 अधोलिखित मन्त्रों में से किन्हीं दो का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 6

क) अतिष्ठन्तीनामनिवेशनानां
काष्ठानां मध्ये निहित शरीरम्।
वृत्रस्यं निण्यं वि चरन्त्यार्यो
दीर्घं तम आशयदिन्द्रशत्रुः।।

ख) आ कृष्णेन रजसा वर्तमानो
निवेशयन्नमृतं मर्त्यं च।
हिरण्यर्येन सविता रथेना
देवो याति भुवनानि पश्यन्।।

ग) अभि त्वां देवः संविताभि सोमो अवीवृधत्।
अभि त्वां विश्वां भूतान्येभीवर्तो यथासंसि।।

घ) अयमिह प्रमथो घायि धातृभि
होता यजिष्ठो अध्वरेष्वीडयः।
यमप्नवानो भगवोविरूरुचु
वर्नेषु चित्रं विभ्वे विशेविशे।।

प्रश्न–2 वैदिक संहिताओं एवं ब्राह्मण ग्रन्थों का सामान्य परिचय दीजिए। 6

प्रश्न–3 सवितृ सूक्त का सारांष लिखिए। 6
अथवा
राष्ट्राभिवर्धन सूक्त का महत्तव प्रतिपादित कीजिए।

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 निम्नलिखित पदों में से किन्हीं चार पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए – 2

(i) हासमाने (ii) जवेते (iii) धुतम् (iv) तेभिः
(v) ब्रूहि (vi) गृणाम् (vii) स्वस्तये

प्रश्न–5 केनोपनिषद् के अनुसार आत्मा की अज्ञेयता और अनिर्वचनीयता स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न–6 'नाहं मन्ये सुवेदेति नो न वेदेति वेद च। 2
ना नस्तद्वेद तद्वेद नो न वेदेति वेद च।।

अथवा

यत्प्राणेन प्राणितो येन प्राणीः प्रीणयते।
तदेव ब्रह्म त्वं विद्वि नेदं यदिदमुपासते।।

उपरोक्त मंत्रों में से किसी एक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।

प्रश्न–7 'निघण्टु' क्या है, स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न–8 निरुक्त में कुल कितने काण्ड है तथा उनका विभाजन किस प्रकार किया गया है? 2

प्रश्न–9 'उपनिषद्' क्या हैं – संक्षिप्त रूप से प्रकाश डालिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) 2016-2017

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**
Subject : Sanskrit **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : पालि, प्राकृत, अप्रभंश एवं **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टो-02**
ल्ममढमम मश्रिमःममअम
Course Title : **Course Code: MAST-02**

अधिकतम अंक	: 30
Maximum Marks:	30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यांशो में से किन्हीं दो का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 6

क) तदा किर कपिलवत्थुनगरे आसोक्हीनक्खत्तं घुट्ठं अहोसि। महाजनो नक्खत्तं कीकेति। महामाया देवी पुरे पुण्णमाय सत्तमदिवसतो पट्ठाय विगत सुरापानं मालागन्धविधूति सम्पन्नं नक्खत्तकीकं अनुभवमाना सत्तमदिवसे पातो व उठाय गन्धोदकेन नहायित्वा चत्तारि सतसहस्सानि विस्सेज्जेत्वा महादानं दत्वा सब्बालङ्कार विभूसिता वरभोजनं भुञ्जित्वा उपोसथङ्गानि अधिट्ठाय अलङ्कतपटियत्तं सिरिगभं पविसित्वा सिरिसयने निपन्ना निद्दं ओक्कममाना इदं सुपनिं अदस्स।

ख) अतीते वाराणसियं ब्रह्मदत्ते रज्जं कारेन्ते बोधिसत्तो मोरयोनियनिब्बत्तित्वा बुद्धि अन्वाय सोभाग्गप्पत्तो अरञ्ञे विचरि। तदा एकच्चे वाणिजा दिसाकाकं गहेत्वा नावाय बावेरूरट्ठं आगमंसु। तस्मिं किर काले बावेरुट्ठे सकुणा नाम नत्थि।

ग) अथ खो भगवा आयस्मन्तं आनन्दं आमन्तेसि – "सिया खो पनानन्द, तुम्हाकं एवं अस्स 'अतीतसत्थुकं पावचनं। नत्थि नो सत्थाति। न खो पने तं, आनन्द, एवं दट्ठब्बं। यो वो आनन्द, मया धम्मो च विनयो च देसितो पञ्ञत्तो, सो वो ममच्चयेन सत्था। यथा खो पनानन्द, एतरहिभिक्खू अञ्ञमञ्ञं आबुसोवादेन समुदाचरन्ति, न वो ममच्चयेन एवं समुदायरितब।

प्रश्न–2 निम्नांकित पद्यों में से किन्हीं दो की संस्कृत छाया लिखिए – 6

क) नहि वेरेन वेरानि सम्मन्तीध कुदाचनं।
अवेरेन च सम्मन्ति, एस धम्मो सनन्तनो।।
ख) णमह अतडिठअतुंग अवसारिअवित्थअं अणोण अगहिरम्।
अप्पलहुअपरिसण्हं अणाअपरमत्थपाअडं महुमहणम्।।
ग) इह कुसुमशरैकगोचराणामिदमुभयमपि सुदः सहमिति मन्ये।
जरठरविकरालितश्च कालस्तया च जनेन प्रियेण विप्रलम्भः।।
घ) इमा मसीकज्जलकालकाआ तिक्खच्छचाबा अबिलासणीओ।
पुलिंदरूबण जणस्स हासं समोरपिच्छाहरणा कुणंति।।

प्रश्न–3 भाषोत्पत्तिविषयक विविध सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिए। 6

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 पालि भाषा की विशेषता पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–5 अर्थ–परिवर्तन के मुख्य कारणों पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–6 पदपरिवर्तन के मुख्य कारण क्या ह? 2

प्रश्न–7 अधोलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए – 2
(i) उअ (ii) साणचिक्खिलम् (iii) कूपग्ग (iv) दिसाकाकं
(v) अतीतसत्थुकं पावचनं (vi) रागाग्नौ (vii) ओक्कममाना

प्रश्न–8 निम्नलिखित पद्य का हिन्दी में अर्थ लिखिए – 2

जसु णिग्गमि रेणुक्करडि किअण विरह दवेण।
किव दिज्जई सन्नेहडउ तसु निट्ठुरय मणेण।

प्रश्न–9 निम्नांकित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए – 2

(i) अष्टाध्यायी (ii) निरूक्त (iii) यास्क

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment)

2016-2017

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**
Subject : Sanskrit **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : व्याकरण तथा अलंकार **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-03**
Course Title : **Course Code: MAST-03**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

प्रश्न–1 शब्दालंकार तथा अर्थालंकार क मध्य भेदक तत्तवों को स्पष्ट कीजिए। 6

प्रश्न–2 निम्नलिखित में से किन्हीं तीन अलंकारों के सोदाहरण लक्षण स्पष्ट कीजिए। 6

1) अनुप्रास
2) अतिश्योक्ति
3) दीपक
4) रूपक
5) निदर्शना

प्रश्न–3 अधोलिखित में से किन्हीं दो रूपों की सिद्धी कीजिए – 6
रामान्, हरौ, नद्याः, ज्ञानानि

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 बहुव्रीहि समास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 2

प्रश्न–5 अधोलिखित में से किन्हीं दो रूपों की सिद्धी कीजिए – 2
राज्ञः, अनेन, मातुः, अहोभि।

प्रश्न–6 अधोलिखित में से किसी एक अलंकार यग्म में भेद स्पष्ट कीजिए – 2

1) उपमा – उत्प्रेक्षा
2) रूपक – सन्देह
3) यमक – श्लेष

प्रश्न–7 अधोलिखित में से किन्हीं चार के प्रकृति प्रत्यय बताइए – 2
एधितव्यम्, उष्णभोजी, शुष्कः, हितम्, कृतिः, पाकः।

प्रश्न–8 अधोलिखित में से किन्हीं चार के प्रकृति प्रत्यय बताइए – 2
दैत्यः, शैवः, ग्रामता, दिव्यम्, राष्ट्रिय, सभ्यः।

प्रश्न–9 द्वन्द्व समास का लक्षण सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) 2016-2017

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**
Subject : Sanskrit **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : काव्यशास्त्र **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-04**
Course Title : काव्य शास्त्र **Course Code: MAST-04 (N)/07(O)**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ अधिकतम अंक 18 :
Maximum Marks: 18

प्रश्न–1 आचार्य मम्मट के काव्य–लक्षण की विस्तृत व्याख्या कीजिए। 6

प्रश्न–2 लक्षणा तेन षड्विधा' – की व्याख्या कीजिए। 6

प्रश्न–3 अभिनवगुप्त के अभिव्यक्तिवाद के आधार पर रस की अलौकिकता सिद्ध कीजिए। 6

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 मम्मट द्वारा निर्दिष्ट काव्य के प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न–5 'सर्वेषा प्रायशोऽर्थानां व्यञ्जकत्वमपोष्यते' – को सोदाहरण समझाइए। 2

प्रश्न–6 शब्द शक्तियों पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–7 इदमुत्तममतिशयिनि व्यङ्ग्ये वाच्याद् ध्वनिर्बुधैः कथितः–इस कारिका की व्याख्या कीजिए। 2

प्रश्न–8 भरत के रस सिद्धान्त पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–9 मम्मट द्वारा निर्दिष्ट काव्य के हेतु पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) 2016-2017

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**
Subject : Sanskrit **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : नाटक एवं नाट्य शास्त्र **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-05**
Course Title : नाटक **Course Code: MAST-05(N)/08(O)**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ अधिकतम अंक :
Maximum Marks: 18

प्रश्न–1 'वेणीसंहार' नाटक की कथावस्तु तथा उसकी शैली प्रकाश डालिए। 6

प्रश्न–2 रत्नावली नाटिका के आधार पर वासवदत्ता का चरित्र चित्रण कीजिए। 6

प्रश्न–3 भारतीय वृत्ति को परिभाषित करते हुए उसके भेदों का उल्लेख कीजिए। 6

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 'वस्तु नेता रसस्तेषां भेदकः'–की व्याख्या कीजिए। 2

प्रश्न–5 'बीजबिन्दुपताकाख्यप्रकरी कार्य लक्षणाः। 2
अर्थप्रकृतयः पञ्च ता एताः परिकीर्तिताः।।–उपरोक्त कारिका की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न–6 रत्नावली नाटिका के प्रथम अंक का सारांश लिखिए। 2

प्रश्न–7 निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2

कीर्णैः पिष्टातकौघैः कृतदिवसमुखैः कुड.कुमक्षोद गौरै
र्हेमालड.कारभाभिर्भरनमित शिखैः शरवरेः कैडि.करातै।
एषा वेषाभिलक्ष्यस्वविभवविजिताशेषवित्तेशकोशा
कौशाम्बी शातकुम्भद्रवखचितजनेकैकपीता विभाति।।

प्रश्न–8 वेणीसंहार नाटक के नाम के आधार पर नायक के निर्धारण सम्बन्धी प्रमुख बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–9 ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 2
'स्त्रीणां हि साहचर्याद् भवन्ति चेतांसि'

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2016-2017**

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : MAST**

कोर्स शीर्षक : दर्शन **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-06**

Course Title दर्शन : **Course Code: MAST-06(N)/04(O)**

अधिकतम अंक	: 30
Maximum Marks:	30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - अ अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

प्रश्न–1 अधोलिखित कारिकाओं में से किसी एक की विस्तृत व्याख्या कीजिए – 6

क) असदकरणादुपादानग्रहणात् सर्वसम्भवाभावात्।
शक्तस्य शक्यकरणात् कारणभावच्च सत्कार्यम्।।

ख) प्रीत्यप्रीतिविषादात्मकाः प्रकाशप्रवृत्तिनियमार्थाः।
अन्योन्याभिभवाश्रयजननमिथुनवृत्तयश्च गुणाः।।

ग) कारणमस्त्यव्यक्तं प्रर्वत्ते त्रिगुणतः समुदयाच्च।
परिणामतः सलिलवत् प्रतिप्रतिगुणाश्रय विशेषात्।।

प्रश्न–2 अधोलिखित में से किसी एक की व्याख्या कीजिए – 6

क) प्रत्यक्षानुमानोपमानशब्दाः प्रमाणानि इति।

ख) लिड्.गपरामर्शोऽनुमानम्।

ग) इन्द्रियार्थयोस्तु यःसन्निकर्षः साक्षात्कारिप्रमा हतुः षडविध एव।

प्रश्न–3 अधोलिखित में से किसी एक की व्याख्या कीजिए – 6

क) विषयो जीवबहैक्यं शुद्धचैतन्यं प्रमेयम्,
तत्रैव वेदान्तानां तात्पर्यात्।

ख) अज्ञान के स्वरूप तथा उसकी शक्तियों का विवेचन कीजिए।

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक	: 12
MaximumMarks:	12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 'योगष्चित्तवृत्तिनिरोधः की व्याख्या कीजिए। 2

प्रश्न–5 अष्टाड.गयोग से क्या समझते हैं? 2

प्रश्न–6 असमवायिकारण का लक्षण संक्षिप्त रूप से स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न–7 सांख्य दर्शन के प्रमुख आचार्यों का संक्षिप्त परिचय दोजिए। 2

प्रश्न–8 अधोलिखित कारिका का अर्थ स्पष्ट कीजिए – 4

तस्मात्तत्संयोगादचेतनं चेतनावदिव लिड.गम्।
गुणकर्तृत्वेऽपि तथा कर्तेव अभत्युदासीनः।।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) 2016-2017

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**
Subject : Sanskrit **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : मृच्छकटिकम् (नाटक) **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-07**
Course Title मृच्छकटिका नाटक : **Course Code: MAST-07(N)/05(O)**

अधिकतम अंक	: 30
Maximum Marks:	30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

प्रश्न–1 निम्नलिखित श्लोकों की हिन्दी में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

क) दीनानां कल्पवृक्षः स्वगुण फलनतः सज्जनानां
कुटुम्बी आदर्शः शिक्षितानां सचरितनिकषः शीलवेला समुद्रः।
सत्कर्ता नावमन्ता पुरूषगुणनिधिर्दक्षिणोदार
सच्चो ह्यकः श्लाघ्य स जीवत्यधिक
गुणतया या चोच्छवसन्तीव चान्ये।।

ख) सदा प्रदोषो मम याति जाग्रतः
सदा च मे निश्वसतो गता निशा।
त्वया समेतस्य विशाललोचनेः
ममाद्य शोकान्तकरः प्रदीपकः।।

प्रश्न–2 'मृच्छकटिकम्' नाटक है या प्रकरण सिद्ध कीजिए। 6

प्रश्न–3 चारूदत्त या बसन्तसेना में से किसी एक का चरित्र चित्रण कीजिए। 6

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक	: 12
MaximumMarks:	12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 मृच्छकटिक की कथावस्तु पर संक्षिप्त प्रकाष डालिए। 2

प्रश्न–5 मृच्छकटिककालीन संस्कृति पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–6 मृच्छकटिक नाटक के नाम की सार्थकता सिद्ध कीजिए। 2

प्रश्न–7 मृच्छकटिक के आधार पर शूद्रक की शैली पर पकाष डालिए। 2

प्रश्न–8 मृच्छकटिक के आधार पर शूद्रक का काल निर्धारण कीजिए। 2

प्रश्न–9 'भाग्य क्रमेण हि धनानि भवन्ति यान्ति'–सूक्ति की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) 2016-2017

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : MAST**

कोर्स शीर्षक : नाट्य एवं नाट्यशास्त्र **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-08**

Course Title : काव्य **Course Code: MAST-08(N)/06(O)**

अधिकतम अंक	: 30
Maximum Marks:	30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ अधिकतम अंक : 18

Maximum Marks: 18

प्रश्न–1 अधोलिखित गाद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 6

अरुण एष प्रकाशः पूर्वस्यां भगवतो मरीचिमालिनः। एष भगवान् मणिराकाशमण्डलस्य, चक्रवर्ती खेचर चक्रस्य, कुण्डलमाखण्डलदिशः, दीपको, ब्रह्माण्डभाण्डस्य, पयान् पुण्डरीकपटलस्य, शोकविमोकः कोकलोकस्य, अवलम्बो रोलम्बकदम्बस्य, सूत्रधारः सर्वव्यवहारस्य, इनश्च दिनस्य। अयमेव अहोरात्रं जनयति, अयमेव वत्सरं द्वादषसु भागेषु विभनक्ति, अयमेव कारणं षण्णामृतूनाम्, एष एवङ्.गी करोति उत्तर दक्षिणं चयनम्।

अथवा

तस्मिन् पर्वत आसीदेको महानकन्दरः तस्मिन्नेव महामनिरेकः समाधौ तिष्ठाति स्म। कदा स समाधिभङ.गोकृतवानिति कोऽपि न वेत्ति। ग्रामणी–ग्रामीणः–ग्रामाः समागत्य मध्ये मध्ये तं पूजयन्ति प्रणमन्ति स्तुवन्ति च। तं केचित कपिल इति, अपरे लोमश इति इतरे जैगीषव्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति, विश्वसन्ति स्म स एवायमधुना शिखरादवतरन् ब्रह्मचारिबटुभ्यामदर्शि।

प्रश्न–2 ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

कथासु ये लब्धरसाः कवीनां,
ते नानुरज्यन्ति कथान्तरेषु।
न ग्रन्थिपर्णप्रणयाश्चरन्ति,
कस्तूरिकागन्धमृगास्तृणेषु।।

अथवा

अगाधपानीयनिमग्नभूरिभूभृत्कुटुम्बोऽपि यदीयखड्गः।
भाग्यक्षयान्मालवभर्तुरासीद्, एकां न धारां परिहर्तुमीशः।।

प्रश्न–3 ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

यदस्य यात्रासु बलोद्धतं रजः
स्फुरत्प्रतापानलधूममञ्जिम।
तदेव गत्वा पतितं सुधाम्बुधौ
दधाति पङ.कीभवदङ.कतां विधौ।

अथवा

यथोह्यमानः खलु भोगभोजिना
प्रसह्य वैरोचनिजस्य पत्तनम्।
विदर्भजाया मदनस्तथा मनो
ऽनलावरूद्धं वयसैव वेशितः।

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 'नवसर्गगते माघ नवशब्दो न विद्यते' – उक्ति की समीक्षा कीजिए। 2

प्रश्न–5 नैषधीयचरितम् के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए। 2

प्रश्न–6 'निःशेषनिर्वासितराजहंसः, खड्गेन बालाम्बुदमेचकेन।
भोजक्षमाभृद्भुजपञ्जरेऽपि, यः कीर्तिहसीं विरसीचकार' का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2

प्रश्न–7 शिवराजविजय की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–8 विक्रमांकदेवचरितम् के प्रथम सर्ग के आधार पर विल्हण की काव्य–शैली निरूपित कीजिए।

प्रश्न–9 शिवराजविजय के प्रथम निःश्वास का सारांश लिखिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2016-2017**

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कत **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : MAST**

कोर्स शीर्षक : लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-09**

Course Title लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं निबन्ध **Course Code: MAST-09**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

प्रश्न–1 उपजीव्य काव्य के रूप में महाभारत के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। 6

प्रश्न–2 रामायण के सांस्कृतिक महत्तव का वर्णन कीजिए। 6

प्रश्न–3 संस्कृत नाटक के उद्भव तथा विकास का वर्णन कीजिए। 6

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 किरातर्जुनीयम् महाकाव्य के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। 2
प्रश्न–5 'माघे सन्ति त्रयोगुणाः' इस उक्ति की समीक्षा कीजिए। 2
प्रश्न–6 चम्पू काव्य का लक्षण स्पष्ट करते हुए, नल चम्पू की विशिष्टता स्पष्ट कीजिए। 2
प्रश्न–7 'गद्यं कवीनां निकषं वदन्ति' इस उक्ति की समीक्षा कीजिए। 2
प्रश्न–8 अधोलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए – 4

(क) भारवेरर्थगौरवम्

(ख) काव्यस्यात्मा ध्वनिः

(ग) वेदानां महत्तवम्

(घ) अहिंसा परमो धर्मः

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) 2016-2017

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कत **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : MAST**

कोर्स शीर्षक : शोध–प्रविधि **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-10**

Course Title **Course Code: MAST-10**

अधिकतम अंक	: 30
Maximum Marks:	30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ अधिकतम अंक : 18

Maximum Marks: 18

प्रश्न–1 संस्कृत समीक्षाषास्त्र में शोध का क्या स्वरूप है। स्पष्ट कीजिए। 6

प्रष्न–2 अनुसंधान की आवष्यकता तथा आधुनिक अभिप्राय पर प्रकाष डालिए। 6

प्रष्न–3 आधुनिक षोध–कार्य में संगणक (कम्प्यूटर) की भूमिका की समीक्षा कीजिए। 6

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक	: 12
MaximumMarks:	12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रष्न–4 शोध प्रबन्ध एवं शोध–पत्र के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए। 2

प्रष्न–5 अनुसन्धान के प्रकार क्या–क्या है। सक्षेप में बताऐं। 2

प्रष्न–6 शोध प्रविधि की विविध पद्वतियों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 2

प्रष्न–7 पादटिप्पणी एवं उद्वरण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 2

प्रष्न–8 रिसर्च तकनीक का संक्षिप्त रूप से वर्णन कीजिए। 2

प्रष्न–9 शोध प्रबन्ध के मुख्य घटक कौन–कौन से है। 2